भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *28

जिसका उत्तर 24 जुलाई, 2024 को दिया जाना है।

2 श्रावण, 1946 (शक)

उच्च शुद्धता वाले सिलिकॉन का उत्पादन

***28. श्री अरुण नेहरू** :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस बात को ध्यान में रखते हुए कि भारत तेजी से इलेक्ट्रोनिक एसेम्बली का हब बनता जा रहा है और तमिलनाडु में बड़े कारखाने स्थापित किए जा रहे हैं तथा वर्तमान में मुख्य कच्चा माल, सिलिकॉन आयात किया जा रहा है और औद्योगिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर यह एक कमजोर पक्ष है, क्या सरकार ने उच्च शुद्धता वाले सिलिकॉन के स्वदेशी उत्पादन के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या किसी ने पीएलआई योजना के अंतर्गत स्वदेशी उत्पादन के लिए आवेदन किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

उच्च शुद्धता वाले सिलिकॉन के उत्पादन के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न सं. *28 के उत्तर में उल्लिखित विवरण-पत्र

******

(क) से (घ): राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी नीति (एनपीई 2019) के तत्वावधान में सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक संघटक-पुर्जा और सेमीकंडक्टर विनिर्माण संवर्धन योजना ('स्पेक्स') तैयार की है। कई अन्य पात्र इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में स्पेक्स योजना में सेमीकंडक्टर वेफर्स, सौर फोटोवोल्टेइक (एसपीवी) वेफर्स और सौर फोटोवोल्टेइक (एसपीवी) पॉलीसिलिकॉन का विनिर्माण भी शामिल है जो उच्च शुद्धता वाले सिलिकॉन से बने होते हैं। यह योजना पात्र पूंजीगत व्यय पर 25% का वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। यह योजना दिनांक 01.04.2020 को अधिसूचित की गई थी और दिनांक 31.03.2024 तक आवेदन प्राप्त करने के लिए खुली थी। इस योजना के तहत अब तक 14,120.66 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से 49 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।

****